# *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण

साक्षी राय*
सोनाली जायसवाल**
विवेक नाथ त्रिपाठी***
हरिशंकर सिंह****

*यह शोध पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण के शोध अध्ययन पर आधारित है। इस शोध अध्ययन के लिए वर्ष 2021–22 में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ के विभिन्न संकायों में कार्यरत 25 शिक्षकों एवं अध्ययनरत 25 शोधार्थियों का चयन सुविधाजनक न्यादर्श विधि के द्वारा किया गया। इस शोध अध्ययन में उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु वर्णनात्मक अनुसंधान के अंतर्गत सर्वेक्षणात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया था। शिक्षकों एवं शोधार्थियों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित दृष्टिकोण मापनी का प्रयोग किया गया था। प्राप्त आँकड़ों की गणना करने के लिए प्रतिशत विश्लेषण विधि एवं अप्राचलिक (non-parametric) सांख्यिकी के उपयुक्त सांख्यिकी मान व्हिटनी यू परीक्षण का प्रयोग किया गया था। शोध अध्ययन में यह पाया गया कि शिक्षक एवं शोधार्थी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर बहुत उत्साहित हैं और सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण एक समान हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संपूर्ण पक्षों के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है, वे खेल के माध्यम से शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाने की पहल, शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्यांकन पद्धति में परिवर्तन के निर्णय, शिक्षक अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने के निर्णय, बहु-विषयक शिक्षा को महत्वपूर्ण कदम मानते हैं। वे इससे सहमत हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत बहु-विषयक एप्रोच शिक्षा व्यवस्था के सुधार में महत्वपूर्ण है। शत प्रतिशत शोधार्थी मानते हैं कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन का निर्णय सकारात्मक सिद्ध होगा।*

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा को भारत केंद्रित बनाने के संकल्प के साथ तैयार की गई है, इसलिए इस शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा के आधार पर शिक्षा व्यवस्था की रचना तैयार करने की

* *शिक्षार्थी*, शिक्षा विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226025
** *शोधार्थी*, शिक्षा विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226025
*** *असिस्टेंट प्रोफेसर*, शिक्षा विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226025
**** *प्रोफेसर*, शिक्षा विभाग, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश 226025

प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा गया है कि भारत की सांस्कृतिक विरासत उसे अतुल्य बनाती है। यह शिक्षा नीति भारत के पुनर्निर्माण की बात करती है। यह नीति भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण पर बल देती है। इसके साथ ही इसे प्राचीन और सनातन भारतीय ज्ञान की समृद्ध परंपरा के आलोक में तैयार किया गया है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा के सभी पक्षों में सुधार एवं पुनर्गठन की अपेक्षा रखती है। भारत में ज्ञान तथा विचार की समृद्ध परंपरा रही है और हम सभी जानते हैं कि किसी भी नीति का सफल क्रियान्वयन उस नीति से जुड़े प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष विभिन्न हितधारकों की जागरूकता, उनकी भूमिका, शिक्षा नीति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता एवं दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। किसी भी शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण माना जाता है। शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक एक महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में होता है। राष्ट्रीय परिदृश्य में लगभग 34 वर्षों के बाद भारतीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* का क्रियान्वयन किया गया, जिसका सफल क्रियान्वयन उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों की जागरूकता तथा उनकी इस शिक्षा नीति के प्रति समझ एवं दृष्टिकोण पर निर्भर करेगा।

ऐसे परिदृश्य में इस शिक्षा नीति के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण क्या है? इसके प्रति उनकी समझ क्या है? शोधार्थियों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण क्या है? आदि विषय पर शोध अध्ययन करना आवश्यक प्रतीत होता है। उच्च शिक्षा स्तर पर कार्यरत शिक्षकों की *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण का स्तर क्या है? शिक्षकों एवं शोधार्थियों के मध्य किस प्रकार का दृष्टिकोण है? उपर्युक्त प्रश्नों का उत्तर ज्ञात करने के लिए वर्तमान परिदृश्य में यह शोध अध्ययन करना उचित प्रतीत होता है।

इस शोध अध्ययन की बुनियादी आवश्यकता *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति शिक्षकों तथा शोधार्थियों के दृष्टिकोण एवं विचार को समझना है। शिक्षक वास्तव में बच्चों के भविष्य को आकार देते हैं तथा विद्यार्थी और शिक्षक दोनों मिलकर समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करते हैं। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के जीवन तथा शिक्षण कार्य को अधिक प्रभावित करेगी। शिक्षक बच्चों के बीच रहकर उन्हें शिक्षा प्रदान करते हैं तथा उनकी चुनौतियों को बेहतर रूप से जानते हैं, इसलिए शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन आवश्यक है। पूर्व में किए गए कई शोध अध्ययनों का सर्वेक्षण किया गया, जिससे ज्ञात हुआ कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण के अध्ययन पर अभी कोई विशेष शोध अध्ययन नहीं हुआ है।

उच्च शिक्षा स्तर से संबंधित शोध अध्ययनों का अभाव है। कुछ शोध अध्ययन जो प्राप्त हुए हैं, वे इस प्रकार हैं— सक्सेना (2023) मौर्य और अहमद (2021) ने पाया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* संतोषजनक उम्मीदों और संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त कर रही है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* युवा पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य तथा शिक्षा प्रणाली में उल्लेखनीय बदलाव की उम्मीद लेकर आई है। मारुथावनन (2020) के शोध अध्ययन से ज्ञात हुआ कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति माध्यमिक

स्तर के शिक्षकों की जागरूकता कम है। सखारे (2020) ने शोध अध्ययन में पाया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* भारतीय शिक्षा प्रणाली के परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। सुंदरम (2020) के *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986* एवं *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के तुलनात्मक शोध अध्ययन से ज्ञात हुआ कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बहु-विषयक, प्रौद्योगिकी, पाठ्यक्रम, स्वायत्ता, शिक्षा की उन्नति, समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। बालकृष्ण (2021) द्वारा *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* पर शिक्षा प्रतिबिंब में उत्कृष्टता के माध्यम से उभरते भारत को सशक्त बनाने संबंधी शोध अध्ययन से ज्ञात हुआ कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा प्रणाली को लचीला बनाने और शिक्षकों की आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रयास करती है। *मनोहरम (2021)* विद्यालयी शिक्षा एक केस स्टडी शोध अध्ययन से ज्ञात हुआ कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* सरकार की एक अच्छी पहल है। यह नीति विद्यालयी शिक्षा में आमूलचूल परिवर्तन लाने में सक्षम है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* एक अच्छी नीति है, क्योंकि इसका उद्देश्य शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला, बहु-विषयक बनाना है।

## समस्या कथन

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन

## महत्वपूर्ण शब्दों की परिभाषाएँ

**दृष्टिकोण**— इस शोध अध्ययन में दृष्टिकोण से तात्पर्य दृष्टिकोण मापनी पर शिक्षकों एवं शोधार्थियों के प्राप्त प्राप्तांकों से है।

**शिक्षक एवं शोधार्थी**— इस शोध अध्ययन में शिक्षकों से तात्पर्य उच्च शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों एवं विश्वविद्यालय में शोधरत शोधार्थियों से है।

## अध्ययन के उद्देश्य

इस शोध अध्ययन के उद्देश्य इस प्रकार हैं—

***राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।***

- कौशल के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।
- विद्यालयी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।
- उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।
- मूल्यांकन के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।
- अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति शिक्षकों का दृष्टिकोण।

***राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।***

- कौशल के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।
- विद्यालयी शिक्षा के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।
- उच्च शिक्षा के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।
- मूल्यांकन के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।
- अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।

***राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना।***

## परिकल्पना

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

## सीमांकन

यह शोध अध्ययन केवल विश्वविद्यालयों के शिक्षक एवं शोधार्थियों तक सीमित था।

## शोध विधि एवं शोध प्रारूप

इस शोध अध्ययन में उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु वर्णनात्मक शोध अध्ययन के अंतर्गत सर्वेक्षणात्मक शोध विधि का प्रयोग किया गया था।

## न्यादर्श

इस शोध अध्ययन में कुल 25 शिक्षकों एवं 25 शोधार्थियों का चयन सुविधाजनक न्यादर्श विधि के द्वारा किया गया था। इस अध्ययन में शिक्षकों के रूप में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के विभिन्न संकायों में कार्यरत शिक्षक एवं विभिन्न संकायों में अध्ययनरत शोधार्थियों से है।

इस दृष्टिकोण मापनी में कुल 45 प्रश्न हैं, जो 6 आयामों में विभाजित हैं। ये छह आयाम क्रमश: कौशल शिक्षा, विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, पाठ्य सहगामी क्रियाओं, मूल्यांकन तथा अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं से संबंधित हैं।

## शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण की गणना करने के लिए प्रतिशत विश्लेषण विधि तथा मान-व्हिटनी यू परीक्षण का प्रयोग किया गया था।

## प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या

***उद्देश्य 1— राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।***

तालिका 1 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि प्रोफेशनल (पेशेवर) एवं कौशल विकास के प्रति कुल 25 शिक्षकों में 21 शिक्षकों ने अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* से शोधार्थियों में कौशल विकास होगा अर्थात कौशल विकास एवं *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति 84 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं केवल 2 अर्थात 8 प्रतिशत शिक्षक इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं, जबकि 2 ऐसे शिक्षक (8 प्रतिशत) थे, जिन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बच्चों को कक्षा 6 से कोडिंग का ज्ञान देने के विचार के प्रति कुल 25 शिक्षकों में से 20 शिक्षकों ने अर्थात 80 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि कक्षा 6 से बच्चों को कोडिंग का ज्ञान देने का विचार उचित है अर्थात कोडिंग का ज्ञान देने एवं *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति 80 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है। 25 शिक्षकों में से 19 शिक्षकों अर्थात 76 प्रतिशत

**तालिका 1— *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के कौशल शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत का प्रतिशत | असहमत | सहमत का प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रोफेशनल और कौशल विकास कोर्स महत्वपूर्ण कदम है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 2. | बच्चों को कक्षा 6 से कोडिंग का ज्ञान देने का विचार महत्वपूर्ण है। | 20 | 80% | 1 | 4% | 4 | 16% |
| 3. | कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का निर्णय महत्वपूर्ण कदम है। | 19 | 76% | 4 | 16% | 2 | 8% |
| 4. | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिजाइन/ थिंकिंग आदि विषयों की शुरुआत महत्वपूर्ण कदम है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 5. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति में किए गए शिक्षा सुधारों से स्किल्ड लेबर फोर्स की वृद्धि होगी। | 19 | 76% | 4 | 16% | 2 | 8% |

शिक्षकों ने यह स्वीकार किया है कि कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का कदम महत्वपूर्ण है अर्थात इंटर्नशिप एवं *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति 76 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग आदि विषयों की शुरुआत महत्वपूर्ण कदम है, के प्रति कुल 25 शिक्षकों में 21 शिक्षकों ने अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग आदि विषयों की शुरुआत उचित है अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है; वहीं 2 अर्थात 8 प्रतिशत शिक्षक इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में किए गए शिक्षा सुधारों से स्किल्ड लेबर फोर्स की वृद्धि होगी, के प्रति कुल 25 शिक्षकों में से 19 शिक्षकों अर्थात 76 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

तालिका 2 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शिक्षकों में से 21 शिक्षकों ने अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि शैक्षिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 को शामिल करना उचित है अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षक *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* एवं 5+3+3+4 फॉर्मेट के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, वहीं केवल 2 अर्थात 8 प्रतिशत शिक्षक इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं। 8 प्रतिशत ऐसे शिक्षक थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत उचित कदम है, के प्रति 25 शिक्षकों में से 19 शिक्षकों ने अर्थात 76 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत उचित है, अर्थात 76 प्रतिशत शिक्षक इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, केवल 4 शिक्षकों (16 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है।

25 शिक्षकों में से 21 शिक्षकों ने अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों ने यह स्वीकार किया है कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रखना एक सराहनीय प्रयास है अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षक इसके प्रति

**तालिका 2— *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के विद्यालयी शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत का प्रतिशत | असहमत | असहमत का प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | शैक्षिक संरचना 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 को शामिल करना उचित कदम है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 2 | फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत उचित कदम है। | 19 | 76% | 4 | 16% | 2 | 8% |
| 3 | शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रखना एक सराहनीय प्रयास है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 4 | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 5 | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बुनियादी साक्षरता को प्राथमिकता देने में महत्वपूर्ण है। | 20 | 80% | 3 | 12% | 2 | 8% |
| 6 | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* अध्ययन-अध्यापन के कार्य में भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण है। | 22 | 88% | 1 | 4% | 2 | 8% |

सकारात्मक हैं। वहीं केवल 2 शिक्षकों (8 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा केवल 2 ऐसे शिक्षक (8 प्रतिशत) थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। 25 शिक्षकों में से 20 शिक्षकों (80 प्रतिशत) ने स्वीकार किया है कि बुनियादी साक्षरता को प्राथमिकता देने में *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* महत्वपूर्ण है, अर्थात 80 प्रतिशत शिक्षक इसके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। 25 शिक्षकों में से 22 शिक्षकों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* अध्ययन-अध्यापन के कार्य में भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण है अर्थात 88 प्रतिशत शिक्षकों का इसके प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। केवल 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं तथा 2 ऐसे शिक्षक (8 प्रतिशत) थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी।

तालिका 3 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शिक्षकों में से 21 शिक्षकों (84 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम महत्वपूर्ण है अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* एवं मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। केवल 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं तथा केवल 3 ऐसे शिक्षक (12 प्रतिशत) हैं, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। बहु-विषयक अप्रोच के प्रति 24 शिक्षकों (96 प्रतिशत) का दृष्टिकोण सकारात्मक है एवं 1 ऐसे

**तालिका 3— *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत का प्रतिशत | असहमत | असहमत का प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम लागू किया है जो कि महत्वपूर्ण है। | 21 | 84% | 1 | 4% | 3 | 12% |
| 2 | बहु-विषयक अप्रोच शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम है। | 24 | 96% | 0 | 0% | 1 | 4% |
| 3 | उच्च शिक्षा संस्थानों का संचालन एकल नियामक के द्वारा होगा जो कि शिक्षा सुधार में महत्वपूर्ण है। | 20 | 80% | 1 | 4% | 4 | 16% |
| 4 | क्रेडिट बैंक सिस्टम का प्रावधान लाभदायी है। | 22 | 88% | 2 | 8% | 1 | 4% |
| 5 | यह नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण है। | 18 | 72% | 5 | 20% | 2 | 8% |
| 6 | नवीन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन गुणवत्तायुक्त अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 7 | बहु-विषयक शिक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। | 20 | 80% | 1 | 4% | 4 | 16% |
| 8 | एम.फिल. का कोर्स निरस्त करना उचित है। | 16 | 64% | 6 | 24% | 3 | 15% |
| 9 | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* समग्र और बहु-विषयक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |

शिक्षक (4 प्रतिशत) हैं, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। उच्च शिक्षा संस्थानों का संचालन एकल नियामक के द्वारा होगा, जो कि शिक्षा सुधार में महत्वपूर्ण है, के प्रति 20 शिक्षकों (80 प्रतिशत) ने अपनी सहमति व्यक्त की है। वहीं 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) इस प्रश्न के संदर्भ में असहमत थे तथा 4 शिक्षकों (16 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी।

क्रेडिट बैंक सिस्टम का प्रावधान लाभदायी है, 25 शिक्षकों में से 22 शिक्षक (88 प्रतिशत) इससे सहमत हैं एवं 2 शिक्षक (8 प्रतिशत) इससे असहमत हैं एवं 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) का कोई मत नहीं है। यह शिक्षा नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण है, 25 शिक्षकों में से 18 शिक्षकों (72 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया एवं 5 शिक्षक (20 प्रतिशत) इससे असहमत हैं तथा 2 शिक्षक (8 प्रतिशत) का कोई दृष्टिकोण नहीं है। 25 शिक्षकों में से 21 शिक्षकों (84 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि नवीन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन गुणवत्तायुक्त अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण है। 25 शिक्षकों में से 20 शिक्षकों (80 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि

बहु-विषयक शिक्षा की दृष्टि से *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* महत्वपूर्ण है, अर्थात 80 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण इसके प्रति सकारात्मक है। 25 शिक्षकों में से 16 शिक्षकों (64 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि एम.फिल. का कोर्स निरस्त करना उचित है। अर्थात 64 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण इसके प्रति सकारात्मक है। वहीं केवल 6 शिक्षकों (24 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* समग्र और बहु-विषयक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के बहु-विषयक होने के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है।

तालिका 4 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 25 शिक्षकों में से 22 शिक्षकों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि खेल आधारित, गतिविधि आधारित शिक्षा को शामिल करना उचित है अर्थात 88 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण इसके प्रति सकारात्मक है। वहीं केवल 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त करते हैं तथा ऐसे 2 शिक्षक (8 प्रतिशत) थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि खेल समन्वय शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाती है अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का खेल समन्वय शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। 25 शिक्षकों में से 23 शिक्षकों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक जोड़ना उचित कदम है अर्थात 92 प्रतिशत शिक्षकों का इसके प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं केवल 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 20 शिक्षकों (80 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि आर्ट इंटीग्रेशन अप्रोच से शिक्षा और संस्कृति के संबंध को मजबूती मिलेगी अर्थात 80 प्रतिशत शिक्षकों का आर्ट इंटीग्रेशन अप्रोच के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं केवल 3 शिक्षकों (12 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है तथा केवल ऐसे 2 शिक्षक (8 प्रतिशत) थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी।

**तालिका 4— पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत का प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित का प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | खेल आधारित, गतिविधि आधारित शिक्षा को शामिल करना महत्वपूर्ण प्रयास है। | 22 | 88% | 1 | 4% | 2 | 8% |
| 2. | खेल-समन्वय शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाता है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 3. | शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक जोड़ना उचित कदम है। | 23 | 92% | 1 | 4% | 1 | 4% |
| 4. | आर्ट इंटीग्रेशन अप्रोच से शिक्षा और संस्कृति के संबंध को मजबूती मिलेगी। | 20 | 80% | 3 | 12% | 2 | 8% |

तालिका 5 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन का निर्णय सकारात्मक है अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। 25 शिक्षकों में से 18 शिक्षकों (72 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि विद्यालयी शिक्षा में परीक्षाएँ अब केवल कक्षा 3,5,8 और 10, 12 में कराना उचित है अर्थात 72 प्रतिशत शिक्षकों का विद्यालयी शिक्षा में परीक्षाओं की पद्धति में बदलाव के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 3 शिक्षकों (12 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है तथा केवल 4 ऐसे शिक्षक (16 प्रतिशत) थे, जिन्होंने प्रतिक्रिया नहीं दी।

25 शिक्षकों में से 22 शिक्षकों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि कॉमन एंट्रेंस एग्जाम ऑफर सरल होगा अर्थात 88 प्रतिशत शिक्षकों का कॉमन एंट्रेंस एग्जाम के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है तथा 2 शिक्षकों (8 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का अनुभव आधारित अधिगम के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहु-आयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। 25 शिक्षकों में से 24 शिक्षकों (96 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहु-आयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है अर्थात 96 प्रतिशत शिक्षकों का 360 डिग्री बहु-आयामी आकलन के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

**तालिका 5— मूल्यांकन के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन का निर्णय सकारात्मक साबित होगा। | 25 | 100% | 0 | 0 | 0 | 0 |
| 2. | विद्यालयी शिक्षा में परीक्षाएँ अब केवल कक्षा 3, 5, 8 और 10, 12 में करना उचित है। | 18 | 72% | 3 | 12% | 4 | 16% |
| 3. | कॉमन एंट्रेंस एग्जाम ऑफर सरल होगा। | 22 | 88% | 1 | 4% | 2 | 8% |
| 4. | अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 5. | विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहु-आयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। | 24 | 96% | 0 | 0 | 1 | 4% |

तालिका 6 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 25 शिक्षकों में से 21 शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि अध्यापक-शिक्षा में किए गए बदलाव गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं अर्थात 84 प्रतिशत शिक्षकों का अध्यापक-शिक्षा में किए गए बदलावों के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है, 2 शिक्षकों (8 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है तथा 2 शिक्षकों (8 प्रतिशत) ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 23 शिक्षकों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि कोर्स चयन के विकल्पों में लचीलापन लाने का प्रावधान लाभदायी है अर्थात 92 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है तथा 1 शिक्षक (4 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण कदम है अर्थात 100 प्रतिशत शिक्षकों का डिजिटल शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है।

25 शिक्षकों में से 19 शिक्षकों (76 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उनके विकास में महत्वपूर्ण है अर्थात 76 प्रतिशत शिक्षकों दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 5 शिक्षकों (20 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की तथा एक शिक्षक ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 25 शिक्षकों में से 17 शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने

**तालिका 6— अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति शिक्षकों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अध्यापक-शिक्षा में किए गए बदलाव गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 2. | कोर्स चयन के विकल्पों में लचीलापन लाने का प्रावधान लाभदायी है। | 23 | 92% | 1 | 4% | 1 | 4% |
| 3. | डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण कदम है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 4. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उनके विकास में महत्वपूर्ण है। | 19 | 76% | 5 | 20% | 1 | 4% |
| 5. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण है। | 17 | 68% | 6 | 24% | 2 | 8% |
| 6. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में उपयोगी है। | 23 | 92% | 1 | 4% | 1 | 4% |
| 7. | विद्यालयी शिक्षा के लिए मानक निर्धारण और प्रमाणन शिक्षा सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |

में महत्वपूर्ण है अर्थात 68 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है, केवल 6 शिक्षकों ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है तथा दो शिक्षकों ने प्रतिक्रिया नहीं दी है। 25 शिक्षकों में से 23 शिक्षकों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि यह शिक्षा नीति समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में उपयोगी है, अर्थात 92 प्रतिशत शिक्षकों का दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 1 शिक्षक ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त की है तथा 1 शिक्षक ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शिक्षकों में से 25 शिक्षकों ने यह स्वीकार किया कि विद्यालयी शिक्षा के लिए मानक निर्धारण और प्रमाणन शिक्षा सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

***उद्देश्य 2— राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न पक्षों के प्रति शोधार्थियों का दृष्टिकोण।***

तालिका 7 के अवलोकन से स्पष्ट है कि प्रोफेशनल एवं कौशल विकास के प्रति कुल 25 शोधार्थियों में से 21 शोधार्थियों (84 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* से शोधार्थियों में कौशल विकास होगा। केवल 2 अर्थात शोधार्थी 8 प्रतिशत इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असहमति व्यक्त करते हैं, 2 शोधार्थियों ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से 17 शोधार्थियों (68 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि कक्षा 6 से कोडिंग का ज्ञान देने का विचार महत्वपूर्ण है। वहीं 6 शोधार्थियों (24 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा 5 शोधार्थियों (20 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का निर्णय महत्वपूर्ण कदम है, इस संबंध में 25 शोधार्थियों में से 20 शोधार्थियों (80 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का निर्णय महत्वपूर्ण कदम है। वहीं 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा 3 शोधार्थियों (12 प्रतिशत) ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

25 शोधार्थियों में से 21 शोधार्थियों अर्थात 84 प्रतिशत शोधार्थियों ने यह स्वीकार किया कि

**तालिका 7— कौशल शिक्षा के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | प्रोफेशनल और कौशल विकास कोर्स महत्वपूर्ण कदम है। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |
| 2. | बच्चों को कक्षा 6 से कोडिंग का ज्ञान देने का विचार महत्वपूर्ण है। | 17 | 68% | 6 | 24% | 5 | 20% |
| 3. | कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का निर्णय महत्वपूर्ण कदम है। | 20 | 80% | 2 | 8% | 3 | 12% |
| 4. | आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग आदि विषयों की शुरुआत महत्वपूर्ण कदम है। | 21 | 84% | 3 | 12% | 1 | 4% |
| 5. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में किए गए शिक्षा सुधारों से स्किल्ड लेबर फोर्स की वृद्धि होगी। | 19 | 76% | 1 | 4% | 5 | 20% |

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग विषयों की शुरुआत महत्वपूर्ण है अर्थात 84 प्रतिशत शोद्यार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 3 शोधार्थियों (12 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है। 25 शोधार्थियों में से 19 शोधार्थियों ने यह स्वीकार किया है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में किए गए शिक्षा सुधारों से स्किल्ड लेबर फोर्स की वृद्धि होगी अर्थात 6 प्रतिशत शोधार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 1 शोद्यार्थी (4 प्रतिशत) इसके प्रति अपनी असमर्थता व्यक्त करते हैं एवं 5 शोधार्थियों (20 प्रतिशत) ने इसके प्रति कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

तालिका 8 के अवलोकन से स्पष्ट है कि 25 शोधार्थियों में से 18 शोधार्थियों (72 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि 10+2 के स्थान पर 5+3+3+4 को शामिल करना उचित है। वहीं केवल 2 (8 प्रतिशत) शोधार्थियों ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की तथा 5 शोधार्थियों (20 प्रतिशत) ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से 15 शोधार्थियों (60 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत उचित कदम है। वहीं 4 शोधार्थी (16 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा 6 शोधार्थियों (24 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी है। 25 शोधार्थियों में से 18 शोधार्थियों (72 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रखना सराहनीय प्रयास है तथा 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा 5 शोधार्थियों (20 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी है।

25 शोधार्थियों में से 22 शोधार्थियों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है अर्थात 88 प्रतिशत शोधार्थियों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। वहीं 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की तथा एक शोधार्थी ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25

**तालिका 8— विद्यालयी शिक्षा के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | 10+2 के फॉर्मेट की जगह 5+3+3+4 को शामिल करना उचित कदम है। | 18 | 72% | 2 | 8% | 5 | 20% |
| 2. | फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत उचित कदम है। | 15 | 60% | 4 | 16% | 6 | 24% |
| 3. | शिक्षा का माध्यम मातृभाषा रखना एक सराहनीय प्रयास है। | 18 | 72% | 2 | 8% | 5 | 20% |
| 4. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। | 22 | 88% | 2 | 8% | 1 | 4% |
| 5. | *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण है। | 23 | 96% | 1 | 4% | 1 | 4% |

शोधार्थियों में से 23 शोधार्थियों (96 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन देने में महत्वपूर्ण है। वहीं केवल 1 शोधार्थी (4 प्रतिशत) ने इस प्रश्न के संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की तथा 1 शोधार्थियों (4 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी।

तालिका 9 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शोधार्थियों में से 23 शोधार्थियों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम महत्वपूर्ण है एवं 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से 24 शोधार्थियों (96 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि ग्लोबल रैंकिंग रखने वाली यूनिवर्सिटीज को भारत में ब्रांच खोलने की अनुमति देना महत्वपूर्ण निर्णय है। वहीं 1 (4 प्रतिशत) शोधार्थी ने इस प्रश्न के संबंध में प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि बहु-विषयक अप्रोच शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम है अर्थात 100 प्रतिशत शोधार्थियों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के बहु-विषयक अप्रोच के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। 25 शोधार्थियों में से 24 शोधार्थियों (96 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि क्रेडिट बैंक सिस्टम का प्रावधान लाभदायी है।

25 शोधार्थियों में से 18 शोधार्थियों (72 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि यह शिक्षा नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण है अर्थात 72 प्रतिशत

**तालिका 9— उच्च शिक्षा के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्रं. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मल्टीपल एंट्री और एग्जिट सिस्टम लागू किया है जो कि महत्वपूर्ण है। | 23 | 92% | 0 | 0% | 2 | 8% |
| 2. | ग्लोबल रैंकिंग रखने वाली यूनिवर्सिटीज को भारत में ब्रांच खोलने की अनुमति देना महत्वपूर्ण निर्णय है। | 24 | 96% | 0 | 0% | 1 | 4% |
| 3. | बहु-विषयक अप्रोच शिक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 4. | क्रेडिट बैंक सिस्टम का प्रावधान लाभदायी है। | 24 | 96% | 1 | 4% | 0 | 0% |
| 5. | यह नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण है। | 18 | 72% | 2 | 8% | 5 | 20% |
| 6. | नवीन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन गुणवत्तायुक्त अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण है। | 23 | 92% | 0 | 0% | 2 | 8% |
| 7. | बहु-विषयक शिक्षा महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 8. | एम.फिल. का कोर्स निरस्त करना उचित है। | 17 | 68% | 5 | 20% | 3 | 12% |

शोधार्थियों का *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है। 25 शोधार्थियों में से 23 शोधार्थियों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि नवीन राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन गुणवत्तायुक्त अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण है तथा 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि बहु-विषयक शिक्षा महत्वपूर्ण है। 25 शोधार्थियों में से 17 शोधार्थियों (68 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि एम.फिल. का कोर्स निरस्त करना उचित है।

तालिका 10 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शोधार्थियों में से सभी 25 शोधार्थियों ने यह स्वीकार किया है कि खेल आधारित, गतिविधि आधारित शिक्षा को शामिल करना महत्वपूर्ण प्रयास है। 25 शोधार्थियों में से सभी 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि खेल-समन्वयक शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाता है। 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक जोड़ना एक उचित कदम है अर्थात उनका दृष्टिकोण सकारात्मक है।

तालिका 11 का अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शोधार्थियों में से 25 (100 प्रतिशत) शोधार्थियों ने यह स्वीकार किया कि मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन का निर्णय सकारात्मक साबित होगा। 25 शोधार्थियों में से 21 शोधार्थियों (84 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि विद्यालयी शिक्षा में परीक्षाएँ अब केवल कक्षा 3, 5, 8 और 10,12 में करना उचित है। 25 शोधार्थियों में से 22 शोधार्थियों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि कॉमन एंट्रेंस एग्जाम ऑफर सरल होगा। वहीं 1 (4 प्रतिशत) शोधार्थी ने इस संदर्भ में अपनी असमर्थता व्यक्त की है तथा 2 शोधार्थियों (8 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी। 25 शोधार्थियों में से कुल 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है। 25 शोधार्थियों में से 24 शोधार्थियों (96 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहु-आयामी बनाना एक

**तालिका 10— पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | खेल आधारित, गतिविधि आधारित शिक्षा को शामिल करना महत्वपूर्ण प्रयास है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 2. | खेल समन्वय शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाता है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 3. | शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक जोड़ना एक उचित कदम है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 4. | आर्ट इंटीग्रेशन अप्रोच से शिक्षा और संस्कृति के संबंधों को मजबूती मिलेगी। | 21 | 84% | 2 | 8% | 2 | 8% |

**तालिका 11— मूल्यांकन पद्धति के प्रति शोधार्थियों का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | मूल्यांकन पद्धति के परिवर्तन का निर्णय सकारात्मक साबित होगा। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 2. | विद्यालयी शिक्षा में परीक्षाएँ अब केवल कक्षा 3, 5, 8 और 10, 12 में करना उचित है। | 21 | 84% | 1 | 4% | 3 | 12% |
| 3. | कॉमन एंट्रेंस एग्जाम ऑफर सरल होगा। | 22 | 88% | 1 | 4% | 2 | 8% |
| 4. | अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने का निर्णय महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 5. | विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहुआयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है। | 24 | 96% | 0 | 0% | 1 | 4% |

महत्वपूर्ण कदम है। वहीं 1 शोधार्थी (4 प्रतिशत) ने प्रतिक्रिया नहीं दी।

तालिका 12 के अवलोकन करने से स्पष्ट है कि 25 शोधार्थियों में से 23 शोधार्थियों (92 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि अध्यापक शिक्षा में किए गए बदलाव गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है अर्थात 92 प्रतिशत शोधार्थियों का अध्यापक शिक्षा में किए गए बदलाव के प्रति दृष्टिकोण

**तालिका 12— अन्य महत्वपूर्ण बिंदु के प्रति शोधार्थियों के दृष्टिकोण का प्रतिशत**

| क्र. सं. | कथन | सहमत | सहमत प्रतिशत | असहमत | असहमत प्रतिशत | अनिश्चित | अनिश्चित प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | अध्यापक शिक्षा में किए गए बदलाव गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। | 23 | 92% | 1 | 4% | 1 | 4% |
| 2. | कोर्स चयन के विकल्पों में लचीलापन लाने का प्रावधान लाभदायी है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 3. | डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण कदम है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |
| 4. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उनके विकास में महत्वपूर्ण है। | 22 | 88% | 3 | 12% | 0 | 0% |
| 5. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण है। | 17 | 68% | 5 | 20% | 3 | 12% |
| 6. | राष्ट्रीय शिक्षा नीति समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में उपयोगी है। | 21 | 81% | 3 | 12% | 1 | 4% |
| 7. | विद्यालयी शिक्षा के लिए मानक निर्धारण और प्रमाणन सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। | 25 | 100% | 0 | 0% | 0 | 0% |

सकारात्मक है। 25 शोधार्थियों में से कुल 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि कोर्स चयन के विकल्पों में लचीलापन लाने का प्रावधान लाभदायी है। 25 शोधार्थियों में से कुल 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि डिजिटल शिक्षा एक महत्वपूर्ण कदम है। 25 शोधार्थियों में से 22 शोधार्थियों (88 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उनके विकास में महत्वपूर्ण है। 25 शोधार्थियों में से 17 शोधार्थियों (68 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण है। 25 शोधार्थियों में से 25 शोधार्थियों (100 प्रतिशत) ने यह स्वीकार किया है कि विद्यालयी शिक्षा के लिए मानक निर्धारण सुधार के लिए महत्वपूर्ण है अर्थात उनका दृष्टिकोण सकारात्मक है।

***उद्देश्य 3— राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण की तुलना करना।***

तालिका 13 के अवलोकन से ज्ञात होता है कि $N_1$=25 तथा $N_2$=25 पर $U_1$ का मान 320 तथा $U_2$ का मान 323 प्राप्त हुआ। चूँकि $N_1$तथा $N_2$ 20 से अधिक है। अतः $U_1$ तथा $U_2$ के मानकों कों Z स्कोर में परिवर्तित किया गया है। और तत्पश्चात सार्थकता के मान की गणना की गई है। चूँकि $Z_1$= 0.14 प्राप्त हुआ है तथा $Z_2$= 0.18 प्राप्त हुआ है। $Z_1$= 0.14 तथा $Z_2$= 0.18 सार्थकता स्तर 0.1 के मान 2.58 से कम है। इसलिए कहा जा सकता है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण एक समान हैं। सामान्यतः दृष्टिकोण से अभिप्राय अभिमत से लिया जाता है, जिसमें हम किसी भी विचार अथवा घटना के पक्ष या विपक्ष में अपना अभिमत दे सकते हैं। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* वृहत सुझावों के बाद क्रियान्वित की गई है। अनुभव के दृष्टिकोण से विषय-वस्तु को लेकर दृष्टिकोणों में अंतर होना स्वाभाविक है, लेकिन इस शोध अध्ययन के परिणाम यह बताते हैं कि शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोणों में कोई सार्थक अंतर नहीं है अर्थात दोनों का दृष्टिकोण एक समान है। परिणाम यह बताते हैं कि दोनों की ही प्रतिक्रियाएँ *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति समान एवं सकारात्मक हैं। अगर इन परिणामों को मानकीकृत एवं सांख्यिकी रूप से देखा जाए तो आँकड़े संग्रह करने की प्रक्रिया, सांख्यिकी का प्रयोग, प्रयुक्त सांख्यिकी की अवधारणाओं का परीक्षण, आँकड़ों का सामान्यीकरण, शिक्षक एवं

**तालिका 13— मान-व्हिटनी यू-परीक्षण में क्रम (रैंक) योगों की गणना**

| परीक्षण/प्रतिदर्श | प्रथम न्यादर्श (शिक्षक) | द्वितीय न्यादर्श (शोधार्थी) |
|---|---|---|
| न्यादर्श | $N_1 = 25$ | $N_2 = 25$ |
| रैंक स्कोर | $\Sigma R_1 = 630$ | $\Sigma R_2 = 627$ |
| यू मान | अनिश्चित$_1$ = 320 | अनिश्चित$_2$ = 323 |
| जेड स्कोर | $Z_1 = 0.14$ | $Z_2 = 0.18$ |

शोधार्थियों के दृष्टिकोण को समान बनाने में प्रभावी भूमिका निभा पाएँगे।

## निष्कर्ष

- कौशल शिक्षा के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण से प्रोफेशनल एवं कौशल विकास कोर्स महत्वपूर्ण है, के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सहमति क्रमशः 88 प्रतिशत एवं 84 प्रतिशत है , कक्षा 6 से ही कोडिंग का ज्ञान देने के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सहमति क्रमशः 80 प्रतिशत एवं 68 प्रतिशत हैं। 76 प्रतिशत शिक्षक एवं 80 प्रतिशत शोधार्थी इस बात से सहमत हैं कि कक्षा 6 से ही इंटर्नशिप कराने का निर्णय महत्वपूर्ण कदम है। 84 प्रतिशत शिक्षक एवं शोधार्थी दोनों ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन थिंकिंग आदि विषयों की शुरुआत महत्वपूर्ण कदम मानते हैं तथा *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* में किए गए शिक्षा सुधारों से स्किल्ड लेबर फोर्स की वृद्धि होगी इस बात पर शिक्षक एवं शोधार्थी दोनों की ही 76 प्रतिशत सहमति है।
- विद्यालयी शिक्षा के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण को देखें तो 5+3+3+4 को शामिल करने के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों की सहमति क्रमशः 84 प्रतिशत एवं 72 प्रतिशत है, वहीं 76 प्रतिशत शिक्षक एवं 60 प्रतिशत शोधार्थी फाउंडेशन स्टेज की शुरुआत के प्रति सहमत हैं, शिक्षा का माध्यम मातृभाषा हो, के प्रति 84 प्रतिशत शिक्षक एवं 72 प्रतिशत शोधार्थी सहमत हैं, *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है, के प्रति 100 प्रतिशत शिक्षक एवं 88 प्रतिशत शोधार्थी अपनी सहमति व्यक्त करते हैं।
- उच्च शिक्षा के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण को देखें तो मल्टीपल एंट्री एवं एग्जिट सिस्टम लागू करने के प्रति 84 प्रतिशत शिक्षक एवं 92 प्रतिशत शोधार्थी अपनी सहमति व्यक्त करते हैं। वहीं, बहु-विषयक अप्रोच शिक्षा व्यवस्था के प्रति शिक्षक एवं शोधार्थी दोनों की ही सहमति क्रमश: 96 प्रतिशत एवं 100 प्रतिशत है, दोनों इस बात से पूर्णतः (100 प्रतिशत) सहमत हैं कि यह शिक्षा नीति उच्चतर शिक्षा प्रणाली की चुनौतियों को दूर करने में कारगर सिद्ध होगी एवं बहु-विषयक शिक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है तथा एम.फिल. कोर्स निरस्त करने के संदर्भ में जहाँ 64 प्रतिशत शिक्षक एवं 68 प्रतिशत शोधार्थी अपनी सहमति व्यक्त करते हैं।
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण देखें तो हम पाते हैं कि वह चाहे शिक्षक हों या शोधार्थी दोनों की ही पूर्णतः (100 प्रतिशत) सहमति इस बात पर है कि खेल समन्वयक शिक्षा को रुचिपूर्ण प्रक्रिया बनाती है, 92 प्रतिशत शिक्षक एवं 100 प्रतिशत शोधार्थी दोनों की ही सहमति इस बात पर है कि शिक्षणेत्तर गतिविधियों के अंक जोड़ना एक उचित कदम है तथा 80 प्रतिशत शिक्षक एवं 84 प्रतिशत शोधार्थी की सहमति इस विषय पर है कि आर्ट इंटीग्रेशन अप्रोच से शिक्षा और संस्कृति के संबंधों को मजबूती मिलेगी।
- यदि बात की जाए मूल्यांकन के प्रति विश्वविद्यालयी शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण की तो हम पाते हैं कि दोनों की 100 प्रतिशत सहमति इस बात पर है कि मूल्यांकन पद्धति में परिवर्तन आवश्यक है एवं अनुभव आधारित अधिगम को अपनाने का निर्णय

महत्वपूर्ण है। 88 प्रतिशत शिक्षक एवं शोधार्थी दोनों ही इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त करते हैं कि कॉमन एंट्रेंस एग्जाम ऑफर सरल होगा एवं 96 प्रतिशत शिक्षक एवं 96 प्रतिशत शोधार्थी दोनों ही अपनी पूर्णतः सहमति, विद्यालयी विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहुआयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम है, के प्रति व्यक्त करते हैं।

- कुछ अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण देखें तो हम पाते हैं, जहाँ 92 प्रतिशत शिक्षक इस बात से सहमत हैं कि कोर्स चयन के विकल्पों में लचीलापन लाने का प्रावधान लाभदायी है। वहीं, 100 प्रतिशत शोधार्थी इसके प्रति अपनी सहमति व्यक्त करते हैं, अध्यापक शिक्षा में किए गए बदलाव गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण हैं, के प्रति शिक्षक 84 प्रतिशत तो शोधार्थी 92 प्रतिशत अपनी सहमति व्यक्त करते हैं, डिजिटल शिक्षा के प्रति दोनों की ही सहमति 100 प्रतिशत है। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* हर बच्चे की विशिष्ट क्षमताओं की पहचान और उनके विकास में महत्वपूर्ण है, के प्रति 76 प्रतिशत शिक्षक, वहीं 88 प्रतिशत शोधार्थी अपनी सहमति व्यक्त करते हैं, 92 प्रतिशत शिक्षक एवं 81 प्रतिशत शोधार्थी *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में उपयोगी हैं, के प्रति सहमत हैं। 68 प्रतिशत शिक्षक एवं 68 प्रतिशत शोधार्थी *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* शिक्षा के व्यावसायीकरण को रोकने में महत्वपूर्ण है, के प्रति सहमत हैं तथा दोनों की पूर्णतः100 प्रतिशत सहमति इस बात पर है कि विद्यालयी शिक्षा के लिए मानक निर्धारण और प्रमाणन सुधार के लिए महत्वपूर्ण हैं।

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों के दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। अतः इस शोध अध्ययन के निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के संपूर्ण पक्षों के प्रति शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है।

## शैक्षिक निहितार्थ

समय की माँग के अनुसार कौशल शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षा, शिक्षा में सृजनशीलता *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के महत्वपूर्ण बिंदु हैं, जिस पर शिक्षकों एवं शोधार्थियों का दृष्टिकोण स्पष्टतः सकारात्मक है। अतः पाठ्यक्रम में कौशल विकास, सृजनशीलता एवं मातृभाषा का समावेश कर शिक्षण कार्य किया जाना चाहिए। शैक्षिक संस्थानों द्वारा प्राथमिक शिक्षा से उच्च शिक्षा तक *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* को क्रियान्वित किया जाना चाहिए, जिससे शिक्षकों को उनकी भूमिका का निर्वहन करने का अवसर मिल सके।

मूल्यांकन पद्धति में परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षक एवं शोधार्थी दोनों ही इस बात पर अपनी सहमति व्यक्त करते हैं। विद्यार्थियों के आकलन को 360 डिग्री बहु-आयामी बनाना एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इस दिशा में शिक्षकों और शोधार्थियों को नवीन शोध अध्ययन करके मूल्यांकन पद्धति को और अधिक सार्थक बनाने की दिशा में कार्य करना चाहिए।

### *शैक्षिक प्रशासक एवं नीति-निर्माताओं हेतु*

*राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति दृष्टिकोण पर किए गए इस शोध अध्ययन में जो परिणाम प्राप्त

हुए, उनमें से कुछ बिंदुओं के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण थे, उनके बारे में शैक्षिक प्रशासक एवं नीति-निर्माताओं को चिंतन कर उचित दिशा में प्रयास करना चाहिए। शोध अध्ययन के परिणाम बताते हैं कि खेल आधारित शिक्षा व्यवस्था बालकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, शैक्षिक प्रशासकों को इस दिशा में सकारात्मक प्रयास करना चाहिए। *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* से एम.फिल. पाठ्यक्रम बंद कर देने के संबंध में नीति-निर्माताओं को पुनः विचार करने की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.), नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) तथा उच्च शिक्षा कमीशन के प्रति शोध के परिणाम सकारात्मक रूप से इंगित करते हैं। अतः इस दिशा में संबंधित पक्ष को निर्धारित समय में कार्य योजना लागू करनी चाहिए।

## संदर्भ


ए. सक्सेना. 2023. उच्च शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक अनुभवजन्य अध्ययन— पारंपरिक से पेशेवर शिक्षा, *अनुसंधान विचारों का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,* वॉल्यूम 2, अंक 1, पृष्ठ 1.

एम. मारूथावनन. 2020, माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति जागरूकता अध्ययन, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऐजुकेशन.* वॉल्यूम 8, अंक 3, पृष्ठ 67–71.

पल्लाथाडका, एच. और अन्य. 2021. स्कूल एजुकेशन अकॉर्डिंग टू इंडियन नेशनल ऐजुकेशन पॉलिसी 2020— एक केस स्टडी, *जर्नल ऑफ कंटेम्पररी इशू इन बिजनेस एंड गवर्नमेंट,* वॉल्यूम 27, (3). पृष्ठ 265–271. 2 मई 2023 को http://cibg.org.au/ से प्राप्त किया गया.

के. बालकृष्णन. 2021. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर शिक्षा-प्रतिबिम्ब में उत्कृष्टता के माध्यम से उभरते भारत को सशक्त बनाना, *एलिमेंट्री एजुकेशन ऑनलाइन जर्नल*, वॉल्यूम 20, अंक 1, पृष्ठ 3596–3602. 2 मई 2023 को doi:10.17051/ilkonline.2021.01.406 से प्राप्त किया गया.

मौर्य, ए. और ए. अहमद. 2021. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020— आधुनिक भारत में शिक्षा की चुनौतियों का समाधान, *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी ऐजुकेशनल रिसर्च* , वॉल्यूम 9, अंक 12(5), पृष्ठ 31–37.

महेंद्रप्रभु और मूक्किया. 2020. डिंडीगुल जिले में प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के बीच *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020* के प्रति जागरूकता का अध्ययन. *यूनिवर्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च*, वॉल्यूम 01, अंक 10. 15 मई 2023 को DOI NO.: 08.2020-25662434 DOI Link**:** http://www.doi-ds.org/doilink/03.2021-35669258/ UIJIR से प्राप्त किया गया.

*मानव संसाधन विकास मंत्रालय.* 2020. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.* मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली.

वान्खड़े एन.आर. 2021. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के गुण और दोष. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रीफ्लेक्टिव रिसर्च इन सोशल साइंसेज*, वॉल्यूम 4, अंक 1, पृष्ठ 21–23.

सिंह एम. और सी. पोखरियाल. 2021. भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020— एक क्रांतिकारी पहल, प्रथम संस्करण, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली.

सखारे जे.एस. 2021. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताएँ और शिक्षक भूमिका. *एजुकेशनल रिसर्च जर्नल.* वॉल्यूम 2, अंक 3.

सुंदरम, के.एम. 2020. नेशनल ऐजुकेशन पॉलिसी 1986 वर्सिज नेशनल ऐजुकेशन पॉलिसी 2020— ए कम्पेरेटिव स्टडी. इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑन एडवांस्ड साइंस हब, आर.एस.पी. साइंस हब. वॉल्यूम 2(105). 10 मई 2023 को archive.org/details/national-education-policy-1986-vs-national-education-policy-2020-9-comprative-study/mode/2up से प्राप्त किया.